चम्पारण ज्ञानाग्रह

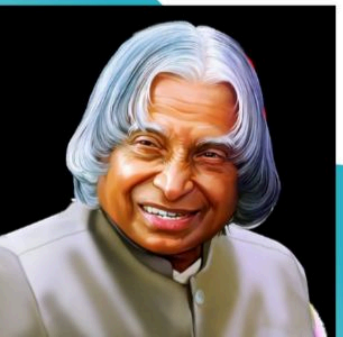
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 06 नवंबर 2026, अंक –395.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"दूसरों के साथ वैसा व्यवहार न करें जैसा आप अपने लिए पसंद नहीं करते।" — कन्फ्यूशियस



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. रवांडा की राजधानी क्या है?
उत्तर: किगाली
प्रश्न 2. विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थीं?
उत्तर: एम. सी. मैरी कॉम
प्रश्न 3. 'घुमुरा' किस राज्य का प्रसिद्ध पारंपरिक लोकनृत्य है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 4. एक घन में कुल कितने किनारे होते हैं?
उत्तर: 12
प्रश्न 5. भारत का प्रसिद्ध काँच का स्काई वॉक (ग्लास ब्रिज) बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: नालंदा
प्रश्न 6. सहारा मरुस्थल में पाया जाने वाला किस जीव के बड़े कान शरीर की गर्मी बाहर निकालने में मदद करते हैं?
उत्तर: फेनेक लोमड़ी
प्रश्न 7. पहले सफल व्यावहारिक हेलीकॉप्टर VS-300 का विकास किसने किया था?
उत्तर: इगोर सिकोरस्की
प्रश्न 8. किसी राज्य के राज्यपाल को पद की शपथ कौन दिलाता है?
उत्तर: उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
प्रश्न 9. 'जो कभी बूढ़ा न हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अजर
प्रश्न 10. यदि किसी व्यक्ति के कपड़ों में आग लग जाए, तो उसे आग बुझाने के लिए क्या करना चाहिए?
उत्तर: जमीन पर लुढ़कना

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Symbiosis - सिम्बायोसिस - सहजीविता
2. Mutualism - म्यूचुअलिज़्म - पारस्परिक लाभकारी संबंध
3. Commensalism - कमेन्सलिज़्म - सहभोजिता
4. Competition - कॉम्पिटिशन - प्रतिस्पर्धा
5. Adaptation - अडैप्टेशन - अनुकूलन
6. Extinction - एक्सटिंक्शन - विलुप्ति
7. Conservation - कंज़र्वेशन - संरक्षण



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "How is he/she going to + V1?"
(वह कैसे ... करने वाला/वाली है?)

वह यह समस्या कैसे हल करने वाला है? – How is he going to solve this problem?
वह अपनी अंग्रेज़ी कैसे सुधारने वाली है? – How is she going to improve her English?
वह परीक्षा की तैयारी कैसे करने वाला है? – How is he going to prepare for the examination?
वह अपने पैसे कैसे बचाने वाली है? – How is she going to save her money?
वह इस भारी सामान को कैसे उठाने वाला है? – How is he going to lift this heavy luggage?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 6 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा युद्ध, सैन्य संघर्षों और हथियारों के प्रयोग से प्राकृतिक पर्यावरण, जलस्रोतों व वनों के होने वाले विनाश को रोकने हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: युद्ध और सशस्त्र संघर्ष में पर्यावरण के शोषण की रोकथाम हेतु अंतरराष्ट्रीय दिवस
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 5 नवंबर 2001 को संकल्प 56/4 पारित कर प्रतिवर्ष 6 नवंबर को 'युद्ध और सशस्त्र संघर्ष में पर्यावरण के शोषण की रोकथाम हेतु अंतरराष्ट्रीय दिवस' (International Day for Preventing the Exploitation of the Environment in War and Armed Conflict) के रूप में घोषित किया था। युद्धों के दौरान तेल के कुओं में आग लगाना, वनों को जलाना, जलस्रोतों को विषैला करना और बारूदी सुरंगें बिछाना न केवल तात्कालिक मानव जीवन को लील जाता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को बंजर बना देता है। यह दिवस युद्धकालीन नियमों में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने और संधारणीय शांति स्थापना पर बल देता है।
संदर्भ: UN General Assembly Resolution 56/4; United Nations Environment Programme (UNEP) Post-Conflict Environmental Assessment Guidelines;

प्र.2. हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा जलवायु परिवर्तन और कम वर्षा की चुनौतियों से निपटने हेतु विकसित की गई 'कम जल-खपत एवं सूखा-रोधी' धान की किस नई जीनोम-संपादित किस्म को राष्ट्रीय स्तर पर जारी किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: पूसा बासमती 1979 / सूखा-सहनशील किस्में (ICAR-IARI)
व्याख्या: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI, नई दिल्ली) द्वारा जलवायु-अनुकूल कृषि (Climate-Resilient Agriculture) के अंतर्गत प्रत्यक्ष बीजारोपण (DSR / Direct Seeded Rice) के अनुकूल और सूखा-सहनशील जीनोम-संपादित धान किस्मों का प्रमाणीकरण पूरा किया गया है। ये नई किस्में पारंपरिक रोपाई विधि की तुलना में लगभग 30 से 35 प्रतिशत कम जल का उपभोग करती हैं और मिट्टी में जल-तनाव (Moisture Stress) की स्थिति में भी सामान्य उपज बनाए रखती हैं। इसके साथ ही ये पराली जलाने की आवश्यकता को कम करने और मीथेन उत्सर्जन को घटाने में पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत कारगर सिद्ध हो रही हैं।
संदर्भ: Indian Council of Agricultural Research (ICAR) Press Release;

प्र.3. मध्यकालीन हिंदी साहित्य के भक्ति काल में संत गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध ब्रजभाषा काव्य-ग्रंथ है, जिसमें उन्होंने कलिकाल के कष्टों और दरिद्रता से मुक्ति हेतु भगवान राम के दरबार में करुण याचना पत्र (अर्जी) प्रस्तुत किया है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: विनय-पत्रिका
व्याख्या: 'विनय-पत्रिका' भक्तिकालीन राम-काव्य धारा के मूर्धन्य कवि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित एक कालजयी और दार्शनिक गीति-काव्य ग्रंथ है। इसकी रचना विशुद्ध ब्रजभाषा में की गई है तथा इसमें कुल 279 पद (गीत) हैं जो विभिन्न शास्त्रीय राग-रागनियों में निबद्ध हैं। तुलसीदास जी ने तत्कालीन कलिकाल के अत्याचारों, सामाजिक विषमताओं, मानसिक अशांति और शारीरिक व्याधियों से आहत होकर इसे 'राम जी के दरबार में दायर की जाने वाली एक कानूनी विनय-अर्जी' के रूप में रचा था। इसकी शुरुआत गणेश, सूर्य, शिव, पार्वती, गंगा और हनुमान जी की स्तुति से होती है और अंत में भगवान राम द्वारा इसे स्वीकार करने का आश्वासन मिलता है।
संदर्भ: गोस्वामी तुलसीदास — 'विनय-पत्रिका', गीताप्रेस गोरखपुर; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य

प्र.4. अत्यधिक रासायनिक प्रदूषण और कीटनाशकों के अंधाधुंध छिड़काव के कारण पर्यावरण में उपस्थित वे सिंथेटिक रसायन जो जीवों के अंतःस्रावी तंत्र (हार्मोन प्रणाली) को बाधित कर प्रजनन विसंगतियां पैदा करते हैं, क्या कहलाते हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: अंतःस्रावी अवरोधक रसायन (EDCs / Endocrine Disrupting Chemicals)
व्याख्या: अंतःस्रावी अवरोधक (Endocrine Disrupting Chemicals - EDCs) वे बाह्य रासायनिक पदार्थ या मिश्रण होते हैं जो प्राकृतिक हार्मोनों की नकल (Mimic) करते हैं, उनके उत्पादन को रोकते हैं या उनकी कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप करते हैं। इनमें बिस्फेनॉल-ए (BPA - प्लास्टिक बोतलों में प्रयुक्त), थैलेट्स (Phthalates), डाइऑक्सिन और डीडीटी जैसे कीटनाशक शामिल हैं। जब ये रसायन जल और खाद्य श्रृंखला के माध्यम से जीवों और मनुष्यों के शरीर में पहुँचते हैं, तो थायरॉयड विकार, समयपूर्व यौवनारंभ, बांझपन, प्रतिरक्षा तंत्र की कमजोरी और कैंसर जैसी गंभीर विकृतियाँ उत्पन्न करते हैं।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 16 "पर्यावरण के मुद्दे", p. 278–282;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राजस्थान के धौलपुर राज्य में ग्वालियर और इंदौर के विद्रोही सैनिकों की सहायता से स्थानीय शासन को उखाड़ फेंकने वाले विद्रोही नेता कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: रामचंद्र और हीरालाल
व्याख्या: 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में धौलपुर (राजस्थान) का विद्रोह एक अनूठा ऐतिहासिक उदाहरण था जहाँ विद्रोहियों ने राजा भगवंत सिंह की सत्ता को पूर्णतः समाप्त कर राज्य पर अपना कब्जा कर लिया था। अक्टूबर 1857 में ग्वालियर और इंदौर की विद्रोही सेनाओं के धौलपुर पहुँचने पर स्थानीय देशभक्तों 'देवा' (रामचंद्र) और 'हीरालाल' ने उनका नेतृत्व किया। विद्रोहियों ने धौलपुर के शाही खजाने, तोपखाने और प्रशासनिक भवनों पर अधिकार कर लिया और लगभग दो महीने तक स्वतंत्र शासन चलाया। दिसंबर 1857 में जब पटियाला के सिख शासक ने अंग्रेजों की सहायता के लिए 2,000 घुड़सवार व तोपें भेजीं, तब जाकर इस जन-विद्रोह को कुचला जा सका था।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत में कर्नाटक के पश्चिमी घाट में वराही नदी पर स्थित 455 मीटर ऊंचा वह कौन-सा जलप्रपात है, जिसे भारत के सबसे ऊंचे सीढ़ीदार जलप्रपातों में गिना जाता है? (भूगोल)
उत्तर: कुंचिकल जलप्रपात (Kunchikal Falls)
व्याख्या: कुंचिकल जलप्रपात कर्नाटक राज्य के शिमोगा जिले में पश्चिमी घाट (आगुम्बे वर्षावन क्षेत्र) के भीतर वराही नदी पर स्थित है। इसकी कुल कैस्केडिंग (सीढ़ीदार शिलाखंडों पर गिरने वाली) ऊंचाई लगभग 455 मीटर (1,493 फीट) है। यह जलप्रपात घने उष्णकटिबंधीय वर्षावनों से घिरा हुआ है। इस जलप्रपात के जल का उपयोग कर भूमिगत 'वराही जलविद्युत परियोजना' संचालित की जाती है। भारी मानसूनी वर्षा के दौरान इसका प्रवाह अत्यंत तीव्र और भव्य हो जाता है, जो पश्चिमी घाट की अनूठी जल-भौगोलिक संरचना का अद्भुत उदाहरण है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य विधानमंडल के प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में 'वार्षिक वित्तीय विवरण' (राज्य बजट / Annual Financial Statement) प्रस्तुत करने का राज्यपाल को निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 202 (Article 202)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-VI में राज्य विधानमंडल की वित्तीय प्रक्रिया के अंतर्गत 'अनुच्छेद 202' राज्य के वार्षिक बजट से संबंधित है (यह केंद्र स्तर पर अनुच्छेद 112 के समरूप है)। इसके अनुसार, राज्यपाल प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में राज्य विधानमंडल के सदन या सदनों के समक्ष उस राज्य की उस वर्ष के लिए प्राक्कलित प्राप्तियों और व्यय का विवरण रखवाएंगे, जिसे 'वार्षिक वित्तीय विवरण' कहा जाता है। इसमें राज्य की संचित निधि पर भारित व्यय (जैसे उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन-भत्ते) और संचित निधि से किए जाने वाले अन्य व्यय पृथक-पृथक दर्शाए जाते हैं।
संदर्भ: Constitution of India, Part VI, Article 202; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 5 "विधायिका - वित्तीय प्रक्रिया", p. 111–114;

प्र.8. किसी विद्युत परिपथ में 20 ओम प्रतिरोध वाले एक विद्युत टोस्टर में 5 एम्पीयर की धारा 30 सेकंड तक प्रवाहित की जाती है; बताइए उसमें जूल के तापन नियम के अनुसार कितनी ऊष्मा (Heat Energy) उत्पन्न होगी? (विज्ञान)
उत्तर: 15,000 जूल (15 kJ)
व्याख्या: जूल के तापीय प्रभाव के नियमानुसार, किसी प्रतिरोधक में उत्पन्न ऊष्मा (H) विद्युत धारा के वर्ग (I^2), प्रतिरोध (R) और समय (t) के गुणनफल के बराबर होती है।
सूत्र: $H = I^2 \times R \times t$, यहाँ दिया गया है: विद्युत धारा (I) = 5 एम्पीयर (A), प्रतिरोध (R) = 20 ओम (Ω), समय (t) = 30 सेकंड (s), मान प्रतिस्थापित करने पर:, $H = (5)^2 \times 20 \times 30$
$H = 25 \times 20 \times 30$, $H = 500 \times 30$, $H = 15,000\text{ जूल (J)}$।
किलोजूल में बदलने पर: $15,000 / 1,000 = 15\text{ kJ}$।
अतः उस विद्युत टोस्टर में कुल 15,000 जूल ऊष्मा उत्पन्न होगी।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 12 "विद्युत" (विद्युत धारा का तापीय प्रभाव - जूल का नियम), p. 235–238;

प्र.9. 7वीं शताब्दी में पल्लव शासक महेंद्रवर्मन प्रथम द्वारा तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई जिले में कावेरी नदी के निकट एक ही पहाड़ी चट्टान को काटकर बनाए गए जैन गुफा मंदिर और उनके विश्वविख्यात भित्तिचित्र किस नाम से जाने जाते हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: सित्तनवासल की गुफाएं (Sittanavasal Cave Temples)
व्याख्या: सित्तनवासल गुफा मंदिर (शाब्दिक अर्थ: सिद्ध पुरुषों का निवास) तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई जिले में स्थित जैन शैलकृत स्थापत्य और प्राचीन भित्तिचित्रों (Fresco Paintings) का एक अत्यंत विख्यात स्थल है। इसका निर्माण 7वीं शताब्दी में पल्लव राजा महेंद्रवर्मन प्रथम के काल में हुआ था और बाद में 9वीं शताब्दी में पांड्य शासकों ने इसे और समृद्ध किया। इस गुफा के गर्भगृह और अर्धमंडप की छतों पर खनिज रंगों से बनाए गए कमल ताल (कमलों, मछलियों, हाथियों और बत्तखों से युक्त जलकुंड), अप्सराओं और गंधर्वों के चित्र अजंता और बाघ की गुफाओं के भित्तिचित्रों की परंपरा के दक्षिण भारतीय विस्तार के सर्वोत्तम उदाहरण हैं।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 5 "भारतीय गुफा कला और भित्तिचित्र", p. 62–65;

प्र.10. 1937 के प्रांतीय चुनावों के बाद जब बिहार में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में प्रथम कांग्रेस मंत्रिमंडल गठित हुआ, तो बिहार विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष (स्पीकर) के रूप में किसे सर्वसम्मति से चुना गया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: रामदयालु सिंह (उपाध्यक्ष: प्रो. अब्दुल बारी)
व्याख्या: जुलाई 1937 में जब बिहार में डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में प्रथम निर्वाचित कांग्रेस सरकार ने कार्यभार संभाला, तो मुजफ्फरपुर के प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी और किसान नेता 'बाबू रामदयालु सिंह' को बिहार विधानसभा का प्रथम अध्यक्ष (Speaker) निर्वाचित किया गया। वे इस पद पर 1944 तक रहे। उनके साथ प्रसिद्ध राष्ट्रवादी और मजदूर नेता प्रो. अब्दुल बारी को विधानसभा का प्रथम उपाध्यक्ष (Deputy Speaker) चुना गया था। रामदयालु सिंह ने सदन की विधायी परंपराओं और निष्पक्षता की सुदृढ़ नींव रखी। उन्हीं के सम्मान में मुजफ्फरपुर के प्रसिद्ध कॉलेज का नाम 'रामदयालु सिंह महाविद्यालय' (RDS College) रखा गया है।
संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Modern History & Constitutional Developments;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W5 — स्वच्छता संबंधी जानकारी) के अनुसार विद्यालय परिसर में 'मच्छर-जनित रोगों' (डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया) की रोकथाम हेतु कूलर, टूटे टायरों और गमलों में कितने दिनों से अधिक जलजमाव नहीं होना चाहिए और सुरक्षित माहवारी स्वच्छता (MHM) के अभाव में छात्राओं को कौन-से संक्रमण का जोखिम होता है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: 7 दिनों से अधिक जलजमाव न होने देना (सप्ताहिक सुखाना); यूटीआई (UTI) और पेल्विक संक्रमण

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W5: स्वच्छता संबंधी जानकारी) और राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NVBDCP) के सुरक्षा मानकों के अनुसार: (1) मच्छर-जनित रोगों से बचाव — एडीज (डेंगू-चिकनगुनिया फैलाने वाला) और एनाफिलीज़ (मलेरिया फैलाने वाला) मच्छरों का जीवन चक्र (अंडे से वयस्क बनने तक) 7 से 10 दिनों का होता है; अतः विद्यालय व घरों में कूलर, फूलदान, गमलों, टूटे बर्तनों और छतों पर रखे टायरों का पानी सप्ताह में एक बार अनिवार्य रूप से पूरी तरह खाली कर सुखाना चाहिए (ड्राई डे / Dry Day); जहाँ पानी निकालना संभव न हो, वहाँ मिट्टी का तेल या जला हुआ इंजन ऑयल छिड़कें ताकि लार्वा सांस न ले सके; (2) माहवारी स्वच्छता प्रबंधन (MHM) — विद्यालयों में किशोरी छात्राओं के लिए सुरक्षित, अलग और बंद शौचालय, स्वच्छ पानी, साबुन और सेनेटरी पैड की उपलब्धता बालिकाओं के स्वास्थ्य व नियमित उपस्थिति हेतु अनिवार्य है; गंदे कपड़े का प्रयोग करने या लंबे समय तक पैड न बदलने से प्रजनन मार्ग संक्रमण (RTI), मूत्र मार्ग संक्रमण (UTI) और बांझपन का गंभीर जोखिम होता है; प्रयुक्त पैड को कभी भी खुले में न फेंकें, बल्कि विद्यालय में स्थापित 'इंसिनरेटर' (भस्मक) में जलाएं या गहरे गड्ढे में दबाएं।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W5 — "स्वच्छता संबंधी जानकारी"; National Vector Borne Disease Control Programme Guidelines;

प्र.12. एक कक्षा के 40 विद्यार्थियों का औसत भार 45 किग्रा है। यदि एक नए विद्यार्थी के प्रवेश लेने से औसत भार 500 ग्राम (0.5 किग्रा) बढ़ जाता है, तो बताइए उस नए विद्यार्थी का वास्तविक भार कितने किलोग्राम है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 65.5 किग्रा

व्याख्या: यह 'औसत' (Average) के सिद्धांत और पदों की संख्या में परिवर्तन पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है। कुल भार = औसत भार * विद्यार्थियों की संख्या। प्रारंभ में 40 विद्यार्थियों का कुल भार = $40 \times 45 = 1,800\text{ किग्रा}$। नए विद्यार्थी के आने पर कुल संख्या = 40 + 1 = 41 विद्यार्थी। नया औसत भार = 45 + 0.5 = 45.5 किग्रा (क्योंकि 500 ग्राम = 0.5 किग्रा)। अब 41 विद्यार्थियों का कुल भार = $41 \times 45.5 = 1,865.5\text{ किग्रा}$। नए विद्यार्थी का भार = (41 विद्यार्थियों का कुल भार) - (प्रारंभिक 40 विद्यार्थियों का कुल भार) $\text{नए विद्यार्थी का भार} = 1,865.5 - 1,800 = 65.5\text{ किग्रा}$। (वैकल्पिक संक्षिप्त ट्रिक: नए विद्यार्थी का भार = नया औसत + (प्रारंभिक संख्या * औसत में वृद्धि) = $45.5 + (40 \times 0.5) = 45.5 + 20 = 65.5\text{ किग्रा}$)।

अतः उस नए विद्यार्थी का वास्तविक भार ठीक 65.5 किलोग्राम है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 3 "आंकड़ों का प्रबंधन" (Data Handling - Mean/Average), p. 62–67;

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Assiduous (असिजुअस) = Diligent (डिलिजेन्ट) = परिश्रमी / मेहनती / लगनशील
Antonym – Indolent (इन्डलेंट) = आलसी / कामचोर

Disconcert (डिसकन्सर्ट) = Unsettle (अनसेटल) = विचलित करना / असमंजस में डालना
Antonym – Reassure (रीअश्योर) = आश्वस्त करना / भरोसा दिलाना

Furtive (फर्टिव) = Stealthy (स्टेल्थी) = गुप्त / चोरी-छिपे किया जाने वाला
Antonym – Overt (ओवर्ट) = खुला / प्रत्यक्ष

Impeccable (इम्पेकबल) = Flawless (फ्लॉलस) = त्रुटिहीन / दोषरहित
Antonym – Defective (डिफेक्टिव) = दोषपूर्ण / त्रुटियुक्त

Malleable (मैलिअबल) = Pliable (प्लायबल) = लचीला / आसानी से ढाला जा सकने वाला
Antonym – Rigid (रिजिड) = कठोर / अटल



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Union Cabinet approves continuation and expansion of fast-track special courts scheme; number of courts to increase from 779 to 850
हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों की योजना के निरंतरता और विस्तार को मंजूरी दी; अदालतों की संख्या 779 से बढ़ाकर 850 की जाएगी।
केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों की योजना के निरंतरता और विस्तार को मंजूरी दी है। अदालतों की संख्या 779 से बढ़ाकर 850 की जाएगी ताकि बाल यौन शोषण और बलात्कार से जुड़े मामलों में मुकदमों को तेजी से निपटाया जा सके।

Government announces two-year extension of service tenure of Agniveers recruited under Agnipath scheme
हिन्दी अनुवाद: सरकार ने अग्निपथ योजना के तहत भर्ती अग्निवीरों की सेवा अवधि में दो साल का विस्तार की घोषणा की। ﷺ
सरकार ने अग्निपथ योजना के तहत भर्ती अग्निवीरों की सेवा अवधि में दो साल का विस्तार की घोषणा की है। यह घोषणा अग्निवीरों के लिए मौजूदा सेवा व्यवस्था में बदलाव लाएगी।

Election Commission separates new voter enrolment form from accompanying declaration in online application process; change applies to states where Special Intensive Revision of electoral rolls is underway
हिन्दी अनुवाद: चुनाव आयोग ने ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में नए मतदाता नामांकन फॉर्म को संबंधित घोषणा से अलग किया; बदलाव उन राज्यों पर लागू होगा जहां मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन चल रहा है। ﷺ
चुनाव आयोग ने ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में नए मतदाता नामांकन फॉर्म को संबंधित घोषणा से अलग किया है। यह बदलाव उन राज्यों पर लागू होगा जहां मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन चल रहा है।

INTERNATIONAL NEWS

Saudi-led coalition intercepts Houthi missile launched towards Medina; Saudi Arabia warns of potential danger in Yanbu oil hub as Houthi attacks continue
हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने मदीना की ओर दागी गई हूती मिसाइल रोकी; हूती हमलों के जारी रहने के बीच सऊदी अरब ने यंबू तेल केंद्र में संभावित खतरे की चेतावनी दी।
सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसकी वायु रक्षा ने मदीना क्षेत्र की ओर दागी गई हूती बैलिस्टिक मिसाइल को रोका और नष्ट कर दिया। सऊदी अरब ने यंबू, जो राज्य का लाल सागर तेल निर्यात केंद्र है, में संभावित खतरे की चेतावनी जारी की है।

IRGC says three oil tankers and a tugboat caught fire in Strait of Hormuz after trying to pass through using an 'unauthorised route'; electronic warfare units claim to have captured two US drones intact
हिन्दी अनुवाद: IRGC ने कहा कि होर्मुज़ में 'अनधिकृत मार्ग' से गुजरने की कोशिश करते समय तीन तेल टैंकर और एक टगबोट में आग लग गई; इलेक्ट्रॉनिक युद्ध इकाइयों ने दो अमेरिकी ड्रोन को सलामत पकड़ने का दावा किया।
ईरान के इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में 'अनधिकृत मार्ग' से गुजरने की कोशिश करते समय तीन तेल टैंकर और एक टगबोट में आग लग गई। IRGC की इलेक्ट्रॉनिक युद्ध इकाइयों ने दो अमेरिकी ड्रोन को सलामत पकड़ने का दावा किया।

Houthis seek $51 billion from Saudi Arabia to end hostilities; Houthis claim strikes on several Saudi regions including Jizan, Najran and Al-Jawf, as well as Riyadh's King Khalid International Airport
हिन्दी अनुवाद: हूतियों ने सऊदी अरब से युद्ध विराम के लिए $51 बिलियन मांगे; हूतियों ने जिज़ान, नजरान और अल-जौफ सहित कई सऊदी क्षेत्रों और रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमलों का दावा किया।
ईरान-समर्थित हूतियों ने सऊदी अरब से युद्ध विराम के लिए $51 बिलियन मांगे हैं। हूतियों ने जिज़ान, नजरान और अल-जौफ सहित कई सऊदी क्षेत्रों और रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमलों का दावा किया।

BIHAR NEWS

Bihar to seek relief funds from Centre to remove sand, silt from flood-hit farmlands, fisheries; 22 districts asked to assess damage

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू-गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगा; 22 जिलों को क्षति आकलन का निर्देश। ◆ बिहार सरकार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू और गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगी। आपदा प्रबंधन विभाग ने 22 जिलों के जिलाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित कृषि भूमि और मत्स्य क्षेत्रों में जमा बालू और गाद का आकलन करने का निर्देश दिया है। बाढ़ गंगा, सोन, गंडक, कोसी और अन्य नदियों में आई थी।

Gandak river reaches record 91.25 metres at Bagaha gauge; government approves plan to remove silt and build embankment from Valmikinagar to 80 km

हिन्दी अनुवाद: बागहा गेज साइट पर गंडक नदी रिकॉर्ड 91.25 मीटर पर पहुँची; सरकार ने गाद हटाने और वाल्मीकिनगर से 80 किमी तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी।

नेपाल में तीव्र, अल्पकालिक वर्षा के बाद बिहार में गंडक नदी ने बागहा गेज साइट पर अब तक का सर्वोच्च जलस्तर 91.25 मीटर दर्ज किया। बिहार सरकार ने गंडक नदी से गाद निकालने और वाल्मीकिनगर से करीब 80 किलोमीटर तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी है।

SPORTS NEWS

India beat New Zealand by 5 wickets in 1st ODI; take 1–0 lead in five-match series

हिन्दी अनुवाद: भारत ने पहले ODI में न्यूज़ीलैंड को 5 विकेट से हराया; पाँच मैचों की श्रृंखला में 1–0 की बढ़त बनाई।

ऑकलैंड के ईडन पार्क में भारत ने न्यूज़ीलैंड को 185 रन पर ऑल आउट किया। विराट कोहली ने 51 गेंदों पर 74 रन बनाए। अंशुल कंबोज ने 10 ओवर में 22 रन देकर दो विकेट लिए। भारत ने पाँच विकेट से जीत दर्ज की।

India lead series 1–0; 2nd ODI to be played in Wellington on November 7

हिन्दी अनुवाद: भारत श्रृंखला में 1–0 से आगे; दूसरा ODI 7 नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

भारत ने पहला ODI जीता है और श्रृंखला में 1–0 की बढ़त बनाई है। दूसरा ODI 7 नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

"फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतें: संख्या 779 से बढ़ाकर 850 की जाएगी"

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों की योजना के निरंतरता और विस्तार को मंजूरी दी है। अदालतों की संख्या 779 से बढ़ाकर 850 की जाएगी ताकि बाल यौन शोषण और बलात्कार से जुड़े मामलों में मुकदमों को तेजी से निपटाया जा सके।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

त्योहार का संकल्प

विद्यालय में दीपावली से छठ पर्व तक दस दिनों की छुट्टी होने वाली थी। कक्षा में बच्चों के चेहरे खुशी से खिले थे। कोई मिठाइयों की बात कर रहा था, तो कोई नए कपड़ों और दीपावली के दीयों की।

तभी शिक्षक ने श्यामपट पर लिखा—
"इस दीपावली हम ऐसा क्या करेंगे, जिससे किसी के जीवन में उजाला आए?"
बच्चे सोचने लगे।

रानी ने हाथ उठाया, "सर, मैं इस बार मिट्टी के दीये जलाऊँगी। घर में बिजली की झालर कम लगाऊँगी और अपने पड़ोस की दादी के घर भी दीया जलाने जाऊँगी। वे अकेली रहती हैं।"

अमन बोला, "मैं पटाखे नहीं जलाऊँगा। धुआँ और तेज आवाज़ लोगों के साथ पशु-पक्षियों को भी परेशान करते हैं।"
तभी सोनू ने कहा, "सर, मैं छठ घाट पर अपने दोस्तों के साथ सफाई करूँगा। पूजा के बाद प्लास्टिक, थैलियाँ और कचरा नदी में नहीं जाने देंगे।"
शिक्षक ने प्रसन्न होकर कहा, "बहुत सुंदर! छठ केवल आस्था का पर्व नहीं, प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश भी है। जब हम घाट और नदी को स्वच्छ रखते हैं, तब हम अपने पर्यावरण की रक्षा करते हैं।"
एक-एक कर सभी बच्चों ने संकल्प लिया—कोई जरूरतमंद की मदद करेगा, कोई घर में पानी और बिजली बचाएगा, तो कोई अपने आसपास सफाई रखेगा।

छुट्टी की घंटी बजने से पहले शिक्षक ने कहा, "बच्चो, दीपावली के दीये कुछ घंटों तक जलते हैं, लेकिन अच्छे कर्मों से जला प्रकाश बहुत दूर तक जाता है।"
बच्चे घर लौटे तो उनके मन में त्योहार की खुशी के साथ एक नया संकल्प भी था , इस बार दीपावली केवल अपने घर में नहीं, किसी और के जीवन में भी उजाला लाएगी; और छठ पर्व पर प्रकृति को स्वच्छ रखने में अपना योगदान देगी।
प्रेरक सीख: त्योहार की सच्ची सुंदरता तभी है, जब हमारी खुशी के साथ दूसरों का जीवन और हमारा पर्यावरण भी उज्ज्वल बने।



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-34

सोचो... समझो... हल करो...

						7		
	5		8		6			
		2						1
	7							3
9			1					7
8					2		5	
1							6	
		6	3					9
4	9			8		1		

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

— स्वामी विवेकानंद

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

6	1	8	2	4	3	7	9	5
7	5	9	8	1	6	3	2	4
3	4	2	9	5	7	6	8	1
2	7	4	5	6	9	8	1	3
9	6	5	1	3	8	2	4	7
8	3	1	4	7	2	9	5	6
1	2	3	7	9	4	5	6	8
5	8	6	3	2	1	4	7	9
4	9	7	6	8	5	1	3	2

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 10, श्लोक 20
अहमात्मा गुड़ाकेश सर्वभूताशयस्थितः।
अहमादिश्च मध्यं च भूतानामन्त एव च॥

सरल हिन्दी अर्थ:

हे गुड़ाकेश (निद्रा और आलस्य को जीतने वाले अर्जुन)! मैं समस्त प्राणियों के अंतःकरण (हृदय) में स्थित उनकी अंतरात्मा हूँ। तथा समस्त चराचर प्राणियों का आदि (उत्पत्ति), मध्य (जीवन/स्थिति) और अंत (प्रलय/विश्राम) भी मैं ही हूँ।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

अध्याय 10 (विभूतियोग) में भगवान अपनी विभिन्न उत्कृष्ट अभिव्यक्तियों का वर्णन शुरू करने से पहले, इस श्लोक में अपनी मूल पहचान और हर प्राणी की आंतरिक गरिमा को स्थापित करते हैं:

- सर्वभूताशयस्थितः (Inherent Divinity & Self-Worth): सत्य या परमात्मा कहीं सातवें आसमान पर नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव की अंतरात्मा के रूप में भीतर ही विराजमान है। इसका व्यावहारिक संदेश यह है कि किसी भी व्यक्ति को स्वयं को हीन, लाचार या अपूर्ण मानने की आवश्यकता नहीं है। आपके भीतर अनंत संभावनाओं और विवेक का स्रोत पहले से मौजूद है।
- आदि, मध्य और अंत (The Cosmic Lifecycle): परियोजनाएँ, संबंध, पद, पदवियाँ और जीवन की अवस्थाएँ शुरू होती हैं, चलती हैं और समाप्त हो जाती हैं। जो आरंभ, स्थिति और अंत तीनों को देखता है, वह कभी किसी क्षणिक परिवर्तन से भयभीत नहीं होता। जीवन के हर चक्र (शुरुआत, संघर्ष और पूर्णता) को सहज भाव से स्वीकार करना ही परिपक्वता है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

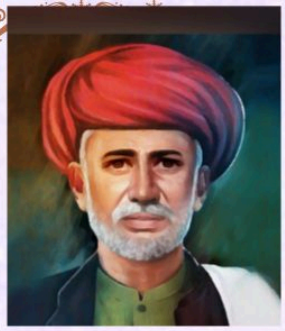
शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

दलितों एवं महिलाओं की शिक्षा के अग्रदूत: 'महात्मा' ज्योतिराव फुले

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी सोचा है कि जब हमारे समाज में बेटियों और गरीबों को स्कूल जाने की मनाही थी, तब वह कौन सा साहसी महापुरुष था जिसने समाज के भीषण विरोध की परवाह किए बिना अपनी पत्नी को पहले खुद पढ़ाया और फिर दोनों ने मिलकर भारत में बेटियों के लिए पहला स्कूल खोला? आज हम सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा की मशाल जलाने वाले भारत के महान क्रांतिसूर्य 'महात्मा' ज्योतिराव गोविंदराव फुले की प्रेरक दास्तान जानेंगे।

ज्योतिराव फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के पुणे के पास कटगुण गाँव के एक साधारण माली परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री गोविंदराव एक मेहनती किसान और फूलों के व्यापारी थे। उनकी माता श्रीमती चिमणाबाई अत्यंत स्नेहमयी और धर्मपरायण महिला थीं। जब नन्हे ज्योतिराव मात्र नौ महीने के थे, तभी उनकी माँ का साया उनके सिर से उठ गया। इसके बाद उनका पालन-पोषण उनकी बुआ सगुणाबाई ने बड़े लाड़-प्यार से किया।

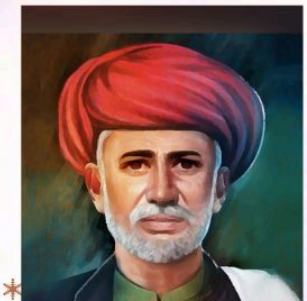
नन्हे 'ज्योति' बचपन से ही बहुत कुशाग्र बुद्धि, संवेदनशील और जिज्ञासु स्वभाव के बालक थे। उन्होंने प्राथमिक मराठी स्कूल में बड़ी लगन से पढ़ाई की, पर समाज की रूढ़ियों और आर्थिक तंगी के कारण उन्हें बीच में ही पढ़ाई छोड़कर पिता के साथ खेती-बाड़ी और बागवानी में हाथ बंटाना पड़ा। बालक की अद्भुत प्रतिभा को देखकर एक सहृदय मुस्लिम शिक्षक गफ्फार बेग मुंशी और एक अंग्रेज़ अधिकारी मिस्टर लिजिट ने उनके पिता को समझाया। इसके बाद चौदह वर्ष की उम्र में ज्योतिराव का दाखिला पुणे के स्कॉटिश मिशनरी स्कूल में कराया गया, जहाँ उन्होंने अंग्रेज़ी और आधुनिक विषयों का गहरा ज्ञान प्राप्त किया।

युवावस्था में उनके जीवन की एक घटना ने उनकी आँखें खोल दीं। वे अपने एक उच्चवर्गीय मित्र की बारात में गए थे, जहाँ कुछ रूढ़िवादी लोगों ने उनकी जाति को लेकर उनका अपमान किया और उन्हें बारात से निकाल दिया। इस अपमान ने नन्हे ज्योति के संवेदनशील दिल को झकझोर दिया। उन्होंने सोचा कि जब भगवान ने सबको एक समान बनाया है, तो इंसान इंसान में भेद क्यों करता है? उन्होंने थॉमस पेन की पुस्तक 'राइट्स ऑफ मैन' (मानव अधिकार) पढ़ी और यह जान लिया कि शिक्षा ही वह इकलौती चाबी है, जो अज्ञान और गुलामी के ताले खोल सकती है।

1 जनवरी 1848 को उन्होंने पुणे के 'भिड़े वाड़ा' में देश का पहला बालिका विद्यालय खोला। उस समय बेटियों को पढ़ाना पाप माना जाता था। उन्होंने सबसे पहले अपनी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फुले को पढ़ाया और उन्हें देश की पहली महिला शिक्षिका बनाया। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने जाती थीं, तो रूढ़िवादी लोग उन पर कीचड़, गोबर और पत्थर फेंकते थे, पर ज्योतिराव और सावित्रीबाई ने कभी हार नहीं मानी।

ज्योतिराव जी ने 24 सितंबर 1873 को 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य शूद्रों, अतिशूद्रों और महिलाओं को सामाजिक व धार्मिक शोषण से मुक्ति दिलाना था। उन्होंने बिना पुरोहित के विवाह कराने की नई परंपरा शुरू की। उन्होंने किसानों और मजदूरों की बदहाली पर 'गुलामगिरी' और 'शेतकऱ्याचा आसूड' (किसान का कोड़ा) जैसी कालजयी पुस्तकें लिखीं। उन्होंने अपने घर का पानी का हौज (टंकी) सभी जातियों के लिए खोल दिया। समाज के प्रति उनके इस महान त्याग और सेवा को देखकर मुंबई की जनता ने 1888 में उन्हें विशाल सभा में आदरपूर्वक 'महात्मा' की उपाधि से नवाज़ा।

28 नवंबर 1890 को पुणे में इस महान पथप्रदर्शक ने अंतिम साँस ली। बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर भी महात्मा फुले को अपना गुरु मानते थे। प्यारे बच्चों, महात्मा ज्योतिराव फुले का पावन जीवन हमें सिखाता है कि शिक्षा सबसे बड़ा वरदान है, हमेशा सच के साथ खड़े रहो और समाज में हर इंसान को बराबरी व सम्मान की नज़र से देखो।



.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

आज का विचार:

अपने आत्मसम्मान और दूसरों के प्रति आदर को बाहरी उपाधियों या परिस्थितियों पर निर्भर मत रखिए। अपने भीतर और हर प्राणी के अंत:करण में उस शाश्वत चेतना को पहचानिए; इससे आपका दृष्टिकोण भयमुक्त और व्यवहार सहज स्नेहमयी बन जाएगा।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org